

मीडिया समन्वय कार्यालय
जामिया मिलिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञाप्ति

30 जनवरी 2017

गांधीजी की सार्थकता बनी रहेगी

जामिया मिलिया इस्लामिया में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सार्थकता के बारे में हुई चर्चा में वक्ताओं ने कहा कि बुद्ध और गांधी की सार्थकता तब तक बनी रहेगी जब तक समाज में सहिष्णुता और समायोजन की जरूरत बनी रहेगी।

इस चर्चा को जामिया मिलिया इस्लामिया : जेएमआई : और कुलदीप नयर की अध्यक्षता वाले साम्प्रदायिक सौहार्द सोसायटी ने किया ।

जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद की अध्यक्षता में गांधी जी के 69 वें शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित इस चर्चा में मुख्य वक्ता जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर आनंद कुमार थे।

प्रो आनंद ने कहा कि गांधी जी के समय में ही लोग उनके विचारों की सार्थकता पर सवाल उठाने लगे थे लेकिन सच यह है कि जिस तरह कार्ल मार्क्स ने 20 वीं सदी के लिए एक एजेंडा पेश किया उसी तरह गांधी जी ने 21 वीं सदी की समस्याओं को सुलझाने का एजेंडा विश्व के सामने रखा जो आज भी पूरी तरह सार्थक हैं क्यों कि वे समस्याएं अभी तक सुलझी नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि जब तक समाज में गैर बराबरी, बेरोजगारी, असहिष्णुता , साम्प्रदायिकता , पर्यावरण के साथ छेड़ छाड़ कायम है तब तक गांधी जी के विचार हमें दिशा देते रहेंगे।

जामिया के कुलपति प्रो अहमद ने कहा , “ गांधी जी ने हमें मिल जुल कर रहने की तहजीब सिखाई । उन्होंने सिखाया कि अपने धर्म का पालन करते हुए दूसरों के साथ प्रेम के साथ कैसे रहा जा सकता है । ”

उन्होंने कहा कि समुद्र की तरह समाज में कभी कभी मौज उठ जाया करती है लेकिन फिर वह समुद्र में ही समाहित भी हो कर शांत हो जाती है।

कुलपति ने कहा, “ युवा आश्वस्त रहें कि कभी कभार कुछ अशांति जैसी घटनाएं हो जाती हैं लेकिन हिन्दुस्तान में सब ठीक रहेगा । ”

जाने माने पत्रकार और गांधीवादी कुलदीप नयर ने कहा कि कोई व्यक्ति पक्का मुसलमान या पक्का हिन्दू हो सकता है । इसमें कोई आपत्ति नहीं हो सकती । लेकिन पक्का देशभक्त पहले होना चाहिए । यही समाज को बांधे रखने का सर्वोत्तम जरिया है।

समारोह में साम्प्रदायिक सौहार्द सोसायटी के उपाध्यक्ष सी बी त्रिपाठी, इसी संगठन की अन्य उपाध्यक्षा डा सैयदा एस हमीद ने भी अपने विचार रखे ।

इस परिचर्चा का समन्वय जेएमआई के छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रो तसनीम मीनाई ने किया । कार्यक्रम में जेएमआई के वित्त अधिकारी श्री संजय कुमार, परीक्षा संचालन के डीन , विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अध्यापक एवं छात्र उपस्थित थे ।

